सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

शिक्षा मंत्रालय

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अध्ययन केंद्र

शिक्षण अध्ययन केंद्र
रामानुजन कॉलेज
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा **'A'** ग्रेड प्राप्त)
दिल्ली विश्वविद्यालय
संयुक्त तत्वावधान में

पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम

साहित्य, इतिहास, राजनीति एवं अन्य संबंधित विषयों के अंतर्संबंधों की पड़ताल

28 जनवरी – 10 फरवरी 2021

पंजीकरण एवं प्रतिभागिता हेतु आमंत्रण

साहित्य, इतिहास, राजनीति एवं अन्य संबंधित विषयों के अंतर्संबंधों की पड़ताल

शिक्षा मंत्रालय ने 2017 में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन आरंभ किया। इस मिशन का एक उद्देश्य हमारे देश में उच्च शिक्षा की विभिन्न संस्थाओं में शिक्षक अध्ययन केन्द्रों की स्थापना कर शिक्षकों के प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करता है। शिक्षण अध्ययन केन्द्रों का कार्य अध्यापन संबंधी नए तरीकों, विषय विशेष के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने और कॉलेजों तथा स्नातकोत्तर विभागों में शिक्षकों द्वारा प्रयोग हेतु नई अध्ययन सामाग्री (ई-सामाग्री समेत) तैयार करने की पद्धति लगातार सीखने को बढ़ावा देना है। विचार यह है कि शिक्षण अध्ययन केंद्र के माध्यम से स्वतंत्र आलोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच को बढ़ावा देकर तथा विषय विशेष की वृद्धि के लिए शोध में सहायता प्रदान कर शिक्षण अध्ययन की प्रक्रिया को संवर्द्धित करेंगे।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं मिशन शिक्षक की भूमिका एवं कामकाज को केवल जानकारी एवं ज्ञान का प्रसार करने वाले तक सीमित नहीं करना चाहता बल्कि छात्रों में गुणात्मक, विश्लेषणात्मक कौशल, सूचना सृजित करने की क्षमताएं विकसित करने तथा खुले स्रोतों एवं वैश्विक स्तर की डिजिटलीकृत प्रक्रियाओं के जरिये स्वयं को सशक्त बनाने में उनकी मदद करने वाला बनाना चाहता है। वैयक्तिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केवल 'क्या पढ़ा गया' पर जोर नहीं बल्कि 'किस तरह पढ़ाया गया है' पर ध्यान दिया जा रहा है, जो अंत में भावी पीढ़ियों के काम करने तथा जीवन जीने के तरीके को परिभाषित करेगा।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन उच्च शिक्षा में गुणात्मक वृद्धि तथा शिक्षकों और शोधार्थियों जे बहुआयामी विकास के लिए संकल्पित है। इस संकल्प की पूर्ति हेतु इस संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। बदलते परिदृश्य में शिक्षक को अध्यापन की दृष्टि से तैयार करना और उसे अध्ययन-अध्यापन की अद्यतन जानकारी देना तथा शिक्षण प्रक्रिया को सहज बनाना, उच्च शिक्षा को उन्नत करना, शोधार्थियों में शोध की दृष्टि को विकसित करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज का शिक्षण अध्ययन केंद्र देश में उच्च शिक्षा के शोधार्थियों तथा शिक्षकों के लिए 28 जनवरी 2021 – 10 फरवरी 2021 तक 'साहित्य, इतिहास और राजनीति के अंतर्संबंधों की पड़ताल' विषय पर अंतर्विषयक ऑनलाइन संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में कोविड-19 महामारी के चलते शिक्षा को सुचारु रूप से कैसे विद्यार्थी तक पहुंचाया जाए और शोध के कार्यों को कैसे किया जाए ? ये प्रश्न चुनौती के रूप में शिक्षक के समक्ष हैं। बदलते परिदृश्य में शिक्षक समाज अपने विद्यार्थियों से गूगल कक्षा, व्हाट्सएप, ज़ूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ रहे हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में ऑनलाइन कार्यक्रम और कक्षाएँ ही विकल्प हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह ऑनलाइन संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित किया आ रहा है।

संकल्पना और उद्देश्य

समकालीन शिक्षाशास्त्र और अनुसंधान विमर्श में अंतर्विषयक दृष्टिकोण पर बल दिया गया है, लेकिन सामाजिक विज्ञान और मानविकी के अंतर्संबंधों की पड़ताल के लिए इस दृष्टिकोण के विकास की दिशा में एक महती पहल की आवश्यकता है। भारत में इतिहास, राजनीति और साहित्य के बीच अंतर्संबंधों की पड़ताल और प्रसार के विशेष संदर्भ में देखा जाए तो यह समसायिक संदर्भों में और भी महत्त्वपूर्ण है। आज यह समय की मांग है कि ज्ञान के विषयों की कठोर विभाजक रेखा को तोड़ कर एक सृजनात्मक और ठोस समझ को विकसित किया जाए। वर्तमान संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम इस निमित्त एक विनम्र प्रयास है।

मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के दौरान, भक्ति आंदोलन जनित चिंतन धारा ने सामाजिक बुराइयों को दूर करने के साथ-साथ सामाजिक एकता के एक चैतन्य वाहक के रूप में एक अद्वितीय भूमिका अदा की। भक्ति आंदोलन के दौरान रचित साहित्य ने भारतीय चेतना को आकार दिया और इसे रामानुज, माधव, तुलसीदास, सूरदास, गुरु नानक, कबीर, नामदेव, नरसी मेहता, चैतन्य, शंकर देव और कई अन्य लोगों की कालजयी रचनाओं के माध्यम से जारी रखा। राष्ट्र के 'आत्म' के पुनरुत्थान की शुरुआत उन्नीसवीं शताब्दी में स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद और अन्य लोगों द्वारा की गई थी जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की वैचारिक नींव रखी जो महात्मा गांधी के नेतृत्व में अभिव्यक्त है।

औपनिवेशिक शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम के विचारों और राजनीति ने उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी के शुरुआती दिनों के साहित्य के माध्यम से अभिव्यक्ति पाई। समकालीन भारत में, भाषा के प्रश्न ने न केवल राज्य पुनर्गठन में, बल्कि पहचान की राजनीति के अन्य पहलुओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मास मीडिया के इस काल ने साहित्य के साथ-साथ वैश्वीकरण, लिंग विमर्श, उपभोक्तावाद और पर्यावरणवाद आदि अन्य विषयक आयामों को जोड़ा है।

प्रस्तावित संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम (एफडीपी) के विषयों को इतनी समझदारी से प्रारूपित किया गया है कि प्रतिभागियों को निश्चय ही सामाजिक विज्ञान और साहित्य के इंटरफेस पर विश्लेषण करने वाले मुद्दों के नए शैक्षणिक और अनुसंधान विषयक कौशल-सेट प्राप्त होंगे । इस संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम को इस प्रकार से डिज़ाइन किया गया है ताकि प्रतिभागियों के शैक्षणिक और ज्ञान संबंधी प्रक्रियाओं में सृजनात्मक मूल्य संवर्द्धन हो सके।

संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम के प्रमुख विचारणीय बिन्दु :-

- Contribution of Arya Samaj in the making of modern India
- Question of language in reorganization of states
- भाषा, समाज और संस्कृति का अंतर्संबंध
- साहित्य के इतिहास का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
- साहित्येतिहास लेखन की चुनौतियाँ
- Freedom of speech and democracy
- पुरातन दर्शन एवं राष्ट्र की संकल्पना
- Idea of nationalism in India
- Language, nation and religion
- 21वीं सदी में साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ
- Bhakti Movement and political milieu in medieval India
- मध्यकालीन राजनैतिक दरबार व्यवस्था और रीति काव्य
- Linguistic context of globalization
- साहित्य, समाज और सुशासन
- स्त्री अस्मिता, मीडिया और वैश्वीकरण
- साहित्य, समाज और पर्यावरणीय चेतना
- Different aspects of folk culture
- साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श
- उपभोक्ता संस्कृति और साहित्य में उसकी अभिव्यक्ति
- साहित्य में अनुवाद की भूमिका
- राम काव्य का वैश्विक परिप्रेक्ष्य : भाषायी संदर्भ
- संत काव्य : अखिल भारतीय स्वरूप
- भाषा विज्ञान : समकालीन संदर्भ और चुनौतियाँ
- कोरोना काल में बदलता आर्थिक परिदृश्य

रामानुजन कॉलेज

रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एक कॉलेज है, जो दक्षिण दिल्ली में नेहरू प्लेस के निकट कालकाजी के प्रसिद्ध क्षेत्र में स्थित है। रामानुजन कॉलेज में उच्च योग्य, समर्पित और प्रतिबद्ध संकाय सदस्य हैं। कॉलेज मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान धाराओं में विभिन्न विषयों में 15 पाठ्यक्रम चलाता है। यह स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों का अध्ययन केंद्र भी है। कॉलेज कई पेशेवर पाठ्यक्रम भी चलाता है। रामानुजन कॉलेज के शिक्षक अत्यधिक प्रेरित और मौलिक, प्रकाशित अकादमिक और रचनात्मक कार्य करते हैं, जिसमें पत्रिकाओं और अन्य प्रिंट मीडिया लेख और शैक्षिक फिल्म उनके क्रेडिट के लिए शामिल हैं। रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख संस्थान है और राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा मान्यता प्राप्त ग्रेड "ए" है। हम रामानुजन कॉलेज में व्यक्तित्व के समग्र विकास, वास्तविक दुनिया के लिए सार्थक प्रदर्शन, और अकादमिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के अलावा हमारे छात्रों के बीच व्यावहारिक कौशल को विकसित करने पर जोर देते हैं।

शिक्षण शिक्षण केंद्र (टीएलसी) में संवर्धन स्पेक्ट्रम, रामानुजन कॉलेज

- छात्रों के लिए स्व-शिक्षण स्थान बनाने पर जोर
- हैंड्स-ऑन असाइनमेंट और लाइव प्रोजेक्ट
- लाइव परियोजनाओं पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन
- अनुवर्ती कार्य
- अध्ययन सामग्री का प्रावधान (जहाँ भी आवश्यक हो)
- उपयुक्त एटिट्यूडिनल ओरिएंटेशन विकसित करना
- व्यक्तित्व संवर्धन के लिए एक सीखने का अनुभव
- पेशेवर क्षमताओं का विस्तार
- प्रतिभागियों और सुगमकर्ताओं के बीच सह-निर्माण और आपसी योगदान
- वैश्विक संसाधनों तक पहुंच
- गतिशील समकालीन वातावरण के लिए अनुकूलन कौशल

पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

स्वतन्त्रता के पश्चात देश में शिक्षा की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सन 1957 में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के नेतृत्व में पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय की स्थापना की गयी।

इस महाविद्यालय में आज हिन्दी, अंग्रेज़ी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, कॉमर्स, गणित, सांख्यिकी, एनवायरमेंटल साइंस तथा कंप्यूटर साइंस के 13 अंडर ग्रेजुएट तथा 4 पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। कॉलेज में रेगुलर विद्यार्थियों की संख्या लगभग 4000 है। इसके अतिरिक्त नॉन कॉलेजिएट विमेन्स एज्यूकेशन बोर्ड, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग तथा इग्नू की कक्षाएँ भी चलती हैं। विद्यार्थियों के लिए आज महाविद्यालय में 25 इंटरेक्टिव क्लासरूम के साथ 62 कमरे, 5 कंप्यूटर लैब तथा सांख्यिकी लैब तथा पूरी तरह से वाई-फाई युक्त कैंपस है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लिफ्ट, रैम्प तथा व्हील चेयर की सुविधा भी उपलब्ध है। खिलाड़ियों के लिए बड़ा खेल का मैदान, जिम तथा अन्य सुविधाएं हैं।

महाविद्यालय ने फरवरी 2018 में हीरक जयंती समारोह मनाया, जिसमे भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द जी ने महाविद्यालय के अध्यापकों और विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने भाई महावीर और प्रो. बलराज मधोक जैसे समाज को दिशा देने वाले चिंतक और विद्वानों को याद किया और साथ ही स्वामी दयानन्द सरस्वती और आर्य समाज के योगदान की चर्चा व सराहना की।

कॉलेज में, एक पूरी तरह से वातानुकूलित पुस्तकालय है जिसमें 1,13,000 से अधिक पुस्तकें तथा पत्र-पत्रिकाएँ हैं। N-list कार्यक्रम के माध्यम से अध्यापक और विद्यार्थी लगभग 6000 ई-पत्रिकाओं और 31,35,000 ई-पुस्तकों को निशुल्क पढ़ सकते हैं। कॉलेज में पुष्प वाटिका तथा हर्बल गार्डन का भी विकास किया गया है। कॉलेज के इन प्रयासों को Indian Institute of Ecology – Environment की ओर से World Ecology Environment – Development पुरस्कार देकर सराहा गया है। महाविद्यालय Enactus–PGDAV, Geo-crusaders : The Environmental Society, Satark :The Consumer Club, NCC, NSS आदि के माध्यम से जरूरतमंद की सहायता करता है साथ ही विद्यार्थियों में अच्छे नागरिक बनने के सद्गुण का विकास करता है। महाविद्यालय की सांस्कृतिक संस्था Hyperion के अंतर्गत कॉलेज में नाटक, नुक्कड़ नाटक, लोक नृत्य, फोटोग्राफी, फिल्म मेकिंग आदि से संबन्धित 15 सोसायटी हैं। दलित व पिछड़े विद्यार्थियों की मदद के लिए कॉलेज में SC/ST/OBC CELL तथा NORTH EAST के विद्यार्थियों की सहायता के लिए North East Cell भी स्थापित किया गया है।

कॉलेज अपने विद्यार्थियों को प्लेसमेंट के अवसर भी उपलब्ध कराता है। हमारे कॉलेज के विद्यार्थियों का E&Y, Wipro जैसी कंपनियों में अच्छे पैकेज पर चयन होता रहा है। विगत वर्षों में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज ने अनुसंधान क्रियाविधि, हिन्दी, अंग्रेज़ी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और वाणिज्य के अंत:विषयक पहलुओं पर संकाय संवर्द्धन व पुनश्चर्या कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया है।

सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ यह महाविद्यालय अनेक चुनौतियों का सामना कर और अनेक पड़ावों को पार कर के 'असतो मा सद्गमय' के ध्येय को लेकर अपने भीतर अनंत संभावनाएं समेटे प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

सहभागिता हेतु दिशा-निर्देश

योग्यता: शिक्षण संकाय में सभी धाराओं (विज्ञान / सामाजिक विज्ञान / वाणिज्य / मानविकी / भाषा) से संकाय सदस्य (नियमित / तदर्थ / अस्थायी) इस संकाय विकास कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं।

- एफडीपी के सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।
- पात्रता मानदंड को पूरा करने वाले सभी लोगों को **INR 950 / -** का गैर-वापसी योग्य शुल्क का भुगतान करना आवश्यक है (भुगतान प्रक्रिया के बारे में नीचे दिए गए विवरण देखें)।
- जिन पात्र प्रतिभागियों ने भुगतान किया है, उन्हें **27 जनवरी, 2021** को या उससे पहले ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण :

- सभी क्विज़ और असाइनमेंट को प्रस्तुत करने और प्रस्तुत करना अनिवार्य है, और प्रत्येक प्रतिभागी को कार्यक्रम पूरा होने के प्रमाण पत्र का लाभ उठाने के लिए न्यूनतम 40% स्कोर करना चाहिए।
- प्रदर्शन के आधार पर स्नातक प्रमाणपत्र प्रतिभागियों को प्रदान किया जाएगा।
- PMMMNMTT योजना के तहत शिक्षा मंत्रालय की आवश्यकता के भाग के रूप में, सभी प्रतिभागियों को प्रत्येक सत्र के लिए ऑनलाइन फीडबैक प्रस्तुत करना होगा।
- उपरोक्त शर्तों में से किसी को पूरा करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप प्रतिभागियों को पूरा करने के प्रमाण पत्र से इनकार कर दिया जाएगा।

नोट: नवीनतम यूजीसी विनियमन के अनुसार, (यूजीसी विनियमन पृष्ठ 99) पीएमएमएनएमटीटी केंद्रों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मान्यता दी गई है। यह एफडीपी दो सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के बराबर है। यह प्रचारक प्रयोजनों के लिए UGC और AICTE के CAS के अनुसार आवश्यकता को पूरा करता है। सफल होने पर, प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

भुगतान प्रक्रिया और पंजीकरण का चरण

पहला चरण: प्रतिभागियों को नीचे दिए गए खाते द्वारा निर्धारित भुगतान (NEFT / UPI / IMPS) करना होगा और आगे के स्पष्टीकरण के लिए उनके भुगतान का स्क्रीनशॉट रखना होगा।

Bank: ICICI Bank

Branch: Kalkaji Branch, New Delhi - 19

A/c Name: PRINCIPAL RAMANUJAN COLLEGE

A/c no: 072001003912

IFSC: ICIC0000720

दूसरा चरण: प्रतिभागियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की आवश्यकता है https://forms.gle/jYBozHKkYuDxm8XA8 अंतिम तिथि से पहले सभी आवश्यक विवरणों के साथ। फॉर्म भरते समय भुगतान का स्क्रीनशॉट अपलोड किया जाना चाहिए। प्रतिभागियों को सलाह दी जाती है कि वे भरने के समय भुगतान के लेन-देन के विवरण को सावधानीपूर्वक भरें।

कृपया ध्यान दें कि देर से आवेदन और भुगतान स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 जनवरी, 2021 है।

सफल पंजीकरण और भुगतान के बाद, प्रतिभागियों को ईमेल के माध्यम से एक पुष्टिकरण प्राप्त होगा। कृपया ईमेल के स्पैम फ़ोल्डर को चेक करते रहें क्योंकि भेजे गए बल्क ईमेल स्पैम फ़ोल्डर में समाप्त हो सकते हैं।
"टेलीग्राम" पर प्रतिभागियों के साथ संचार के लिए एक आधिकारिक समूह बनाया गया है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि टेलीग्राम ऐप को प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से इंस्टॉल करें। आधिकारिक समूह में शामिल होने का लिंक पुष्टिकरण मेल में प्रदान किया जाएगा।

आगे के प्रश्नों के लिए, आप हमें यहाँ लिख सकते हैं: fdp.pgdav@pgdav.du.ac.in या,

संपर्क: डॉ. वीणा - +91 9818622988
डॉ. अभय प्रताप सिंह - +91 8076495367
डॉ. चंदर पाल सिंह - +91 9891249977
सुश्री निधि माथुर - +91 989116720

सलाहकार समिति

प्रो. बलराम पाणि
डीन ऑफ कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री शिव रमन गौर
निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग,
डी. ए. वी. संस्थान

प्रो. पंकज अरोड़ा
विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, शासी निकाय,
पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. अश्वनी महाजन
सह-प्राध्यापक,
पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

संकाय विकास कार्यक्रम की आयोजन टीम

संरक्षक

डॉ. एस. पी. अग्रवाल

प्राचार्य एवं निदेशक, शिक्षण अध्ययन केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय

कार्यक्रम निदेशक

डॉ. कृष्णा शर्मा

प्राचार्या, पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

संयोजक

श्री के. के. श्रीवास्तव

निदेशक, आई. क्यू. ए. सी., पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

सह-संयोजक

श्री जे. एन. चौधरी

सह-प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, रामानुजन महाविद्यालय

तकनीकी समिति

डॉ. निखिल कुमार राजपूत

सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस विभाग, रामानुजन महाविद्यालय

श्री विपिन राठी

सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस विभाग, रामानुजन महाविद्यालय

आयोजक मण्डल

डॉ. वीणा

सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग, पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

डॉ. अभय प्रसाद सिंह

सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

डॉ. चंद्र पाल सिंह

सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

डॉ. जयंत कुमार कश्यप

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, सेंट ज़ेवियर महाविद्यालय , सिमडेगा

सुश्री निधि माथुर

वरिष्ठ सहायक, रामानुजन महाविद्यालय

श्री विकास कुमार

सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, रामानुजन महाविद्यालय

सुश्री शिप्रा यादव

सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, रामानुजन महाविद्यालय

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

MINISTRY OF EDUCATION

PANDIT MADAN MOHAN MALAVIYA NATIONAL MISSION ON TEACHERS AND TEACHING

TEACHING LEARNING CENTRE
RAMANUJAN COLLEGE

(Accredited Grade 'A' by NAAC)

UNIVERSITY OF DELHI

in collaboration with

P. G. D. A. V. COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

organises

TWO- WEEK FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME/REFRESHER COURSE

EXPLORING THE INTER-LINKAGES BETWEEN LITERATURE, HISTORY, POLITICS AND OTHER RELATED THEMES

JANUARY 28 – FEBRUARY 10, 2021

CALL FOR REGISTRATION AND PARTICIPATION

EXPLORING THE INTER-LINKAGES BETWEEN LITERATURE, HISTORY, POLITICS AND OTHER RELATED THEMES

The Ministry of Education (erstwhile, Ministry of Human Resource Development) launched the Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT) in 2017. One of the main objectives of this mission is to facilitate teacher training by constituting Teaching Learning Centers in various institutions of higher education in our country. The Teaching Learning Centers (TLCs) are mandated to promote on a continuous basis the learning of new pedagogical practices, methodology of forming discipline-specific curricula and creating new learning materials (including e-content) for use by the teachers in colleges and postgraduate departments. It is envisioned that the TLCs will accelerate the teaching-learning process by encouraging independent critical and creative thinking and facilitating research for subject specific growth. The TLCs will assist the faculty in capacity building for curriculum designing, scientific assessment and evaluation and the development of innovative academic programs to strengthen the inclusive nature of higher education. The TLCs are also encouraged to reach out to teachers teaching in regionally disadvantaged locations. The Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission emphasizes the need to change the role and workings of a teacher from a mere disseminator of information and knowledge to the one who helps students to develop critical, analytical skills, capabilities to generate information, the ability to reason and to empower themselves through open sources and globally oriented digitalized self-learning processes. The focus is not only on 'what is taught' but also importantly, to 'the way it is taught,' in an effort to develop and enhance individual education, that will eventually go on to define the manner in which the future generations will work and live. The Teaching Learning Centers offer Faculty Induction Programs (FIPs) for newly recruited faculty and Faculty Development Programs (FDPs) for teachers with experience who wish to update their field of knowledge, expertise and skill with the latest available research, resources and technology. In the FDPs, special emphasis is given to inter and cross-disciplinary methodologies of study.

Currently, the teaching fraternity is missing their lively and interactive classrooms due to COVID-19 Pandemic. To address the present situation, the University Grants Commission (UGC) has intensified its efforts to have a strong virtual engagement with the students through email/WhatsApp and

hosting lectures using Google Class Room and other video-conferencing platforms. Keeping in view the immense benefits and reach of online courses in the present academic set-up, the Teaching Learning Centre Ramanujan College, University of Delhi in collaboration with P.G.D.A.V College, University of Delhi is offering a Two Week Online Faculty Development Programme on “Exploring the Inter - Linkages between Literature, History, Politics and Other Related Themes" for faculty members of higher education in the country.

CONCEPT NOTE

Of late there has been a lot of emphasis on inter-disciplinary approach to pedagogy and research but a lot of ground needs to be covered when it comes to the application of this approach to study social sciences and humanities together. This is all the more important when seen in the particular context of exploration and dissemination of the inter-linkages between history, politics and literature in India. Need of the hour is to break the rigid compartmentalization of disciplines of knowledge and present a constitutive and substantive understanding of the complex inter-relationships that exist. The present Faculty Development Programme is a humble attempt to fill this gap.

India with its rare civilizational continuity of several millennia offers a very rich discursive tradition of forging knowledge process between history, politics, language and literature, right from the times of Rig Veda to the present day. Sanskrit literature being one of the oldest in the world offers an overarching philosophical foundation of nationhood and humanism. The idea of India has been progressively articulated ever since and developed through languages and literatures in a far more diverse and nuanced manner.

During the medieval times, Bhakti movement became a unique site of resistance to foreign invasions as well as a vehicle of social unity by removing social evils. Bhakti poetry shaped the Indian consciousness and continues to invigorate it through the master pieces of Ramanuja, Madhava, Tulsidas, Surdas, Guru Nanak, Kabir, Namdeva, Narasi Mehta, Chaitanya, Shankar Dev and many others. Rediscovery of the self of the nation was undertaken in the nineteenth century through the work of Swami Dayanand Saraswati, Swami Vivekanand and others who laid down the ideological foundations of the freedom movement culminating with Mahatma Gandhi.

The ideas and politics of freedom struggle against colonial rule found expression through the literature of nineteenth century and early twentieth century. In the contemporary India, the question of language has

played a key role not only in state reorganization but also in various other aspects of identity politics. Age of mass media has added new dimensions to the literature along with globalization, gender discourse, consumerism, and environmentalism among others.
Themes of the proposed FDP are decided so insightfully that participants are bound to get new pedagogical and research skill-sets of analyzing issues that are on interface of social sciences and literature in a wider methodological framework. This FDP is designed therefore to make value addition to the pedagogical and knowledge processes of the participants substantively.

THEMATICS

- Contribution of Arya Samaj in the making of modern India
- Question of language in reorganization of states
- भाषा, समाज और संस्कृति का अंतर्संबंध
- साहित्य के इतिहास का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
- साहित्येतिहास लेखन की चुनौतियाँ
- Freedom of speech and democracy
- पुरातन दर्शन एवं राष्ट्र की संकल्पना
- Idea of nationalism in India
- Language, nation and religion
- 21वीं सदी में साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ
- Bhakti Movement and political milieu in medieval India
- मध्यकालीन राजनैतिक दरबार व्यवस्था और रीति काव्य
- Linguistic context of globalization
- साहित्य, समाज और सुशासन
- स्त्री अस्मिता, मीडिया और वैश्वीकरण
- साहित्य, समाज और पर्यावरणीय चेतना
- Different aspects of folk culture
- साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श
- उपभोक्ता संस्कृति और साहित्य में उसकी अभिव्यक्ति
- साहित्य में अनुवाद की भूमिका
- राम काव्य का वैश्विक परिप्रेक्ष्य : भाषायी संदर्भ
- संत काव्य : अखिल भारतीय स्वरूप
- भाषा विज्ञान : समकालीन संदर्भ और चुनौतियाँ
- कोरोना काल में बदलता आर्थिक परिदृश्य

RAMANUJAN COLLEGE

Ramanujan College is a University of Delhi college, located in the well-known area of Kalkaji, near Nehru Place, in South Delhi. Ramanujan College has highly qualified, dedicated, and committed faculty members. The college runs 15 courses in different subjects in Humanities, Commerce and Science streams. It is also the study centre for the students of the School of Open Learning, University of Delhi, the Non-Collegiate Women's Education Board, University of Delhi, and the Indira Gandhi National Open University. The college also runs several professional courses. The teachers of Ramanujan College are highly motivated and have original, published academic and creative work, including journals and other print media articles and educational film making to their credit. Ramanujan College is a premier institution of the University of Delhi and has been accredited grade "A" by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC). We at Ramanujan College emphasize the holistic development of personality, meaningful exposure to real-world, and inculcating practical skills amongst our students apart from ensuring academic excellence.

Enrichment Spectrum at the Teaching Learning Centre (TLC), Ramanujan College

- Emphasis on creating self-learning space for students
- Hands-on assignments and live projects
- Expert guidance on live projects
- Follow-up tasks
- Provision of study content (wherever required)
- Developing appropriate attitudinal orientation
- A learning experience for personality enrichment
- Augmentation of professional capabilities
- Co-creation and mutual contribution between participants and facilitators
- Access to global resources
- Adaptation skills for the dynamic contemporary environment

P.G.D.A.V. COLLEGE

Pannalal Girdharlal Dayanand Anglo-Vedic (P.G.D.A.V.) College, founded in 1957 by DAV College Managing Committee, is a co-educational, NAAC accredited institution. It draws its traditions of excellence and learning from two eminent institutions of higher education in India, the University of Delhi and the DAV Education Trust.

P.G.D.A.V. College is a constituent unit of the University of Delhi, a premier central university of the country. It is guided by the vision of Swami Dayanand Saraswati who was a great pioneer of modernity in India.

The College offers 13 undergraduate programmes in Social Sciences Humanities, Literature, Computer Science, Mathematical Sciences and Environmental Studies. The College also offers postgraduate courses in Commerce, Political Science, Hindi and Mathematics.

We aim to nurture young minds with the ideals of composite Indian culture with the thrust on education as umbilical link between tradition and innovation. We train and empower the youth of India to carve out a niche in a global competitive environment.

The College comprises of globally competitive academic wings, and enabling institutional facilities to promote curricular, co-curricular and extra-curricular activities through structural - arrangements of NSS, NCC, sports facilities, auditorium, conference rooms, smart classrooms, sophisticated labs, and more than fifteen societies and clubs.

The events organized by various departmental societies and clubs at inter-university and inter-college levels enrich the learning process of our students and broaden their horizons in a healthy spirit of competition. The Cultural Society of the college, Hyperion, has been consistently performing well over the years, with the awards tally going to 170 in the last academic year 2019-20.

The College provides a conducive environment that nurtures teamwork, innovation and initiative. The NCC cadets and NSS volunteers of the college are trained in this tradition. With the state-of-the-art infrastructure, the College meets all requirements of the individual students for making their college life intellectually engaging and a fulfilling experience in all respects.

Over the years, the college has emerged as a centre of excellence under the stewardship of its highly qualified and experienced faculty. Many faculty members are associated with curriculum development and postgraduate teaching in the University besides guiding students at postgraduate, M. Phil and doctoral levels.

Placement Cell of P.G.D.A.V. College has been working quite effectively over the years and ensuring placement of our students with higher package in as good MNCs as E&Y, Wipro, and many others.

In keeping with the P.G.D.A.V. tradition, the college has been inviting various dignitaries to the college to enthuse and encourage the students with their inspiring words. The President of India, Shri Ramnath Kovind, graced and addressed the diamond jubilee celebrations of PGDAV College in early 2018.

REGISTRATION PROCESS

Eligibility: Faculty members (regular/adhoc/temporary) from all the streams (sciences/social sciences/commerce/humanities/languages) in teaching profession are eligible to apply for this Faculty Development Programme.

- Registration is mandatory for all the participants of the FDP.
- All those who meet the eligibility criterion are required to pay a **Non-Refundable fee of INR 950/-** (See the details provided below regarding the payment process).
- The eligible participants who have made the payment are required to register online **on or before January 27, 2021.**

IMPORTANT:

- Attempting and submitting all the quizzes and assignments are mandatory, and each participant should score a minimum of 40% in total to avail of the programme completion certificate.
- Graded certificates on the basis of performance will be awarded to the participants.
- As part of the Ministry of Education's requirement under the PMMMNMTT scheme, all participants need to submit online feedback for each session.
- Failing to meet any of the above conditions will result in denial of a certificate of completion to the participants.

Note: As per the latest UGC regulation, (UGC Regulation Page 99) training programmes conducted in PMMMNMTT Centres have been recognised. This FDP is equivalent to two-week Refresher Course. It fulfils requirement as per CAS of UGC and AICTE for promotional purposes. Upon successful completion, participants will be provided certificates.

PAYMENT PROCESS & STEPS OF REGISTRATION

First Step: The participants must make the prescribed payment by (NEFT/UPI/IMPS) to the below-mentioned account and keep the screenshot of their payment for further clarification.

Bank: ICICI Bank

Branch: Kalkaji Branch, New Delhi - 19

A/c Name: PRINCIPAL RAMANUJAN COLLEGE

A/c no: 072001003912

IFSC: ICIC0000720

Second Step: Participants need to fill up the online application form https://forms.gle/jYBozHKkYuDxm8XA8 with all the required details before the final date of submission. The screenshot of the payment should be uploaded while filling in the form. The participants are advised to carefully fill their transaction details of payment at the time of filling of the registration form. Kindly take note that late applications and payments will not be accepted. The last date of registration is January 27, 2021.

After successful registration & payment, the participants will receive a confirmation via email. **Please keep checking the spam folder of the email as the bulk email sent may end up in the spam folder.**
An official group has been made for communication with the participants on "Telegram." You are therefore requested to install the Telegram App either from the Play Store or App Store. The link to join the official group will be provided in the confirmation mail.

For further queries, you can write to us at: fdp.pgdav@pgdav.du.ac.in or,
Contact: Dr. Veena - +91 9818622988
Dr. Abhay Pratap Singh - +91 8076495367
Dr. Chander Pal Singh - +91 9891249977
Ms. Nidhi Mathur - +91 989116720

ADVISORY COMMITTEE

PROF. BALARAM PANI
Dean of Colleges
University of Delhi

SH. SHIV RAMAN GAUR
Director
Higher Education, D.A.V. Institution

PROF. PANKAJ ARORA
University Representative
Governing Body, P.G.D.A.V. College

DR. ASHWANI MAHAJAN
Associate Professor
P.G.D.A.V. College

ORGANISING TEAM OF THE FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME

PATRON

Dr. S.P. Aggarwal

Principal & Director Teaching Learning Centre, Ramanujan College

PROGRAMME DIRECTOR

Dr. Krishna Sharma

Principal, P.G.D.A.V. College

CONVENOR

Sh. K. K. Shrivastava

Director, IQAC, P.G.D.A.V. College

CO - CONVENOR

Mr. J.N. Choudhury

Associate Professor, Department of Political Science, Ramanujan College

TECHNICAL TEAM

Dr. Nikhil Kumar Rajput

Assistant Professor, Department of Computer Science, Ramanujan College

Mr. Vipin Rathi

Assistant Professor, Department of Computer Science, Ramanujan College

ORGANISING TEAM

Dr. Veena

Associate Professor, Department of Hindi, P.G.D.A.V. College

Dr. Abhay Prasad Singh

Assistant Professor, Department of Political Science, P.G.D.A.V. College

Dr. Chander Pal Singh

Assistant Professor, Department of History, P.G.D.A.V. College

Dr. Jayant Kumar Kashyap

Assistant Professor, Department of Hindi, St. Xavier's College, Simdega

Ms. Nidhi Mathur

Senior Assistant, Ramanujan College

Mr. Vikas Kumar

Assistant Professor, Department of History, Ramanujan College

Ms. Shipra Yadav

Assistant Professor, Department of Political Science, Ramanujan College